भाकृअनुप
ICAR

केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान

रहमानखेड़ा, पो. काकोरी, लखनऊ-227 107 उ.प्र. (भारत)

Central Institute for Subtropical Horticulture

Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-227 107 U.P. (India).

आम में सघन बागवानी

- उत्पादकता बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण तरीका। भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र से अधिक आर्थिक आय।
- इस प्रणाली द्वारा भूमि, जल, पोषक तत्वों तथा सौर ऊर्जा का अधिकतम उपयोग किया जाता है।
- परम्परागत रूप से प्रति हेक्टेयर आम के 100 वृक्षों (10मी.x10मी.) का रोपण किया जाता है। सघन प्रणाली के अन्तर्गत प्रति हेक्टेयर 400 वृक्षों (5मी.x5मी.) को समायोजित किया जा सकता है।
- उद्यान की स्थापना के समय से ही कैनॉपी प्रबंधन महत्वपूर्ण पहलू है। कैनॉपी प्रबंधन उद्यान की पूरी अवधि तक जारी रहना आवश्यक है।
- परम्परागत प्रणाली से प्राप्त 7–8 टन प्रति हेक्टेयर उत्पादकता की तुलना में फर्टीगेशन प्रौद्योगिकी के एकीकरण से 14–15 टन प्रति हेक्टेयर उच्च उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है।
- इस बागवानी में रोग तथा कीट प्रबंधन का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

Phone :0522-2841022, 2841023, 2841024 Fax :0522-2841025
website:www.cishlko.org; E-mail:director@cish.ernet.in